ग्रीन क्लाइमेट फ़ंड संरचित वार्ता, इंडोनेशिया मे श्री एच आर दवे, उप प्रबंध निदेशक की प्रतिभागिता, इंडोनेशिया

बाली, इंडोनेशिया मे 26 से 29 अप्रैल 2017 के दौरान आयोजित ग्रीन क्लाइमेट फ़ंड चर्चा में श्री एच आर दवे, उप प्रबंध निदेशक ने भाग लिया. इसका लक्ष्य ग्रीन क्लाइमेट फ़ंड के साथ सहभागिता में क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और अवसरों को व्यक्त करने के लिए एक रूपरेखा विकसित करना है. ठोस प्रस्ताव एवं परियोजनाओं को तैयार करने और ग्रीन क्लाइमेट फ़ंड से सहायता के लिए विचारार्थ प्रस्तुत करना भी इसका एक लक्ष्य है.

श्री एच आर दवे, उप प्रबंध निदेशक ने 28 अप्रैल 2017 को उच्च स्तरीय खंड में भाग लिया और ग्रीन क्लाइमेट फ़ंड की मान्यता के साथ-साथ परियोजना विकास के संबंध मे नाबार्ड के अनुभवों के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने संपूर्ण परियोजना चक्र के दौरान हितधारकों के साथ सहबद्धता के लिए अपनाई जाने वाली विस्तृत प्रक्रियाओं एवं परियोजना के अनुप्रवर्तन और मूल्यांकन की जानकारी दी.

उप प्रबंध निदेशक ने श्री हॉवर्ड बामसे, कार्यकारी निदेशक, ग्रीन क्लाइमेट फ़ंड के साथ सीधे बातचीत की और समुदाय आधारित संगठनों, वित्तीय संस्थाओं, राष्ट्रीय तथा उप-राष्ट्रीय सरकारों इत्यादि के माध्यम से अनुकूलन और कम उत्सर्जन वाले मार्ग बनाने की ओर नाबार्ड के दृष्टिकोण के बारे में विचार व्यक्त किए. उन्होने भारत में जलवायु एवं पर्यावरण साक्षरता एवं नाबार्ड द्वारा "जल अभियान" के तहत 1,00,000 गांवों में नाबार्ड द्वारा किए गए प्रयत्नों के बारे में भी जानकारी दी. कार्यकारी निदेशक, ग्रीन क्लाइमेट फ़ंड के साथ चर्चा के दौरान हेजिंग कोस्ट के कारण उठने वाले मुद्दे एवं अंतिम उपभोक्ता स्तर ऋण पर पड़ने वाले इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला गया. उप प्रबंध निदेशक(श्री एच आर दवे) ने जलवायु वित्त को मुख्य धारा में लाने एवं उसकी दीर्घकालिकता के लिए वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से जलवायु वित्त के संवर्धन के लिए नाबार्ड के लक्ष्य और दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया.

सुश्री निवेदिता तिवारी, उमप्र, नैबकॉन्स एवं श्री सचिन कांबले, समप्र, एफएसपीडी, प्रधान कार्यालय इस वार्ता के लिए उप प्रबंध निदेशक के साथ थे. उन्होंने नैबकॉन्स तथा बर्ड के माध्यम से जीसीएफ के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय जलवायु वित्त संसाधनों के उपयोग के उद्देश्य से, मान्यता प्रदान करने, परियोजना विकास एवं क्षमता निर्माण के लिए नाबार्ड की सहायता के संबंध में एक प्रस्तुति की.

जीसीएफ निजी क्षेत्र सुविधा(पी एस एफ), श्री बिनु पार्थन, एशिया सलाहकार, जीसीएफ के साथ द्विपक्षी वार्ता की गई. इस बैठक के दौरान वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से जलवायु परिवर्तन गतिविधियों के लिए पुनर्वित्त सहायता हेतु जीसीएफ के अंतर्गत प्रोग्रामेटिक ऋण की संभावना पर चर्चा की गई.

इस चर्चा में, उप प्रबंध निदेशक ने बांग्लादेश, नेपाल एवं श्रीलंका से आए प्रतिनिधिमंडलों के साथ विचार-विमर्श किया. नैबकॉन्स और बर्ड के माध्यम से जीसीएफ/अनुकूलन निधि, परियोजना विकास, क्षमता निर्माण जैसी वित्त पोषण की व्यवस्थाओं को मान्यता प्रदान करने के लिए नाबार्ड के साथ सहयोग करने हेतु इन प्रतिनिधिमंडलों ने गहरी रुचि दिखाई.